संस्कृत में जिस स्वर या व्यंजन से किसी शब्द का अंत होता है, उसे उसी स्व
व्यंजन से अंत होने वाला कहते हैं; जैसे–

उपर्युक्त उदाहरणों में स्वरान्त शब्द इस प्रकार हैं–

शिशु और ऋतु शब्द उकारान्त हैं।

कलम और फल शब्द अकारान्त हैं।

बाला और लता शब्द आकारान्त हैं।

इसी प्रकार व्यंजनों से अंत होने वाले शब्द उसी व्यंजन से व्यंजनान्त होते हैं;

जगत् = ज् + अ + ग् + अ + त् (तकारान्त)

मनस् = म् + अ + न् + अ + स् (सकारान्त)

गुणिन् = ग् + उ + ण् + इ + न् (नकारान्त)

विशेष– उपर्युक्त उदाहरणों में प्रत्येक शब्द के अंत में व्यंजन है इसलिए इ
'व्यंजनान्त' नाम दिया गया है। संस्कृत में सभी व्यंजन हलंत अर्थात् हल् चिह्न (्)
से युक्त होते हैं इसलिए ऐसे सभी शब्दों को हलन्त भी कहते हैं।

अभ्यास

1. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

उदाहरण– पशु = प् + अ + श् + उः — उकारान्त

(क) कवि = क् + अ + व् + इ — इकारान्त

(ख) कथा = क् + अ + थ् + आ — आकारान्त

(ग) नदी = न् + अ + द् + ई — ईकारान्त

(घ) धेनुः = ध् + ए + न् + उः — उकारान्त

(ङ) राजन् = र् + आ + ज् + अ + न् — नकारान्त

(च) ढक्का = ढ् + अ + क् + क् + आ — आकारान्त

Scanned with CamScanner

2. वर्ण संयोग से रिक्त स्थान भरिए।

उदाहरण–भ् + ऊ + म् + इः = भूमिः

(क) प् + अ + त् + र् + अ + म् = पत्रम्

(ख) क् + ऊ + प् + अः = कूपः

(ग) क् + अ + म् + अ + ल् + अ + म् = कमलम्

(घ) व् + इ + ज् + अ + य् + अः = विजयः

(ङ) प् + उ + ष् + प् + अ + म् = पुष्पम्

(च) व् + आ + न् + अ + र् + अः = वानरः

3. निम्नलिखित शब्दों में अकारान्त, उकारान्त और इकारान्त शब्दों को अलग कीजिए–

कुसुम, धेनु, सूर्य, मति, साधु, रमेश, कवि, पशु, नयन, ऋषि, गुरु, मुनि

अकारान्त	इकारान्त	उकारान्त
कुसुम, सूर्य, रमेश, नयन	मति, कवि, ऋषि, मुनि	धेनु, साधु, पशु, गुरु

Scanned with CamScanner